खण्ड–ख

इकाई – 1

प्राकृतिक आपदाः एक परिचय

आपदाः–वृहत स्तर पर जानमाल को नुकसान पहुँचानेवाली अचानक हुई घटना को आपदा कहते हैं।

आपदा प्रकार

प्राकृतिक आपदा
(बाढ़, सुखाड़, भूकंप, सुनामी, भूस्खलन, बादल का फटना, जंगलों में आग लगना, हिमस्खलन, ओलावृष्टि)

मानव जनित आपदा
(आग लगना, सांप्रदायिक दंगे, आतंकवादी घटनाएँ, महामारी)

1. भारत के विनाशकारी चक्रवात–29 अक्टूबर 1999
2. भारत के विनाशकारी भूकंप– 1934, 1967
3. भारत के प्रमुख सुखाड़– 1966, 1987
4. भारत के प्रमुख सुनामी– 2004

प्राकृतिक आपदा प्रबंधन की आवश्यकता :
प्राकृतिक आपदाओं के कारण बड़े स्तर पर हानि होती है, जिसकी भरपाई में कई वर्ष लग जाते हैं। अतः इसका प्रबंधन किया जाना जरूरी है। जिससे विकास कार्य किया जा सके।

आपदा प्रबंधन का पदानुक्रम :
राष्ट्रीय → राज्य → जिला → प्रखण्ड → गाँव
आपदा प्रबंधन की सफलता के लिए सरकार के साथ–साथ आमलोगों की सहभागिता अनिवार्य है।

प्रश्न

1. निम्नलिखित में कौन प्राकृतिक आपदा है?
   (क) आग लगना (ख) बम विस्फोट
   (ग) भूकंप (घ) रासायनिक विस्फोट

2. निम्न में से कौन प्राकृतिक आपदा नहीं है?
   (क) आग लगना (ख) बाढ़
   (ग) भूकंप (घ) ओला वृष्टि

3. आपदा से आप क्या समझते हैं?
4. आपदा प्रबंधन के उद्देश्यों की विवेचना कीजिए।

https://www.evidyarthi.in/